CS(M) ... M2...

2012

Serial No. [ ]

F–DTN–M–IJTA

Selfstudyhistory.com

HISTORY

Paper—I

Time Allowed : Three Hours | *Maximum Marks : 300*

INSTRUCTIONS

*Each question is printed both in **Hindi** and in **English**.*

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

*Candidates should attempt Question Nos. **1** and **5** which are compulsory, and any **three** of the remaining questions selecting at least **one** question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers should be precise and to-the-point. An outline map is attached to this question paper which is to be used for attempting Question No. 1. This map may be detached carefully from the question paper and attached securely to the answer book by the candidate.

Important : Whenever a Question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next Question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous Question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है ।

*

SECTION—A

1. Identify the following places marked on the map supplied to you and write short notes of about **40** words on each of them in your answer book. Locational hints for each of the places marked on the map are given below seriatim : 3×20=60

(i) A prehistoric site

(ii) A chalcolithic site

(iii) A religious centre

(iv) A prehistoric site

(v) An art centre

(vi) A prehistoric site

(vii) An art centre

(viii) A port

(ix) A capital town

(x) A prehistoric site

(xi) A post Mauryan town

(xii) An art centre

(xiii) A prehistoric site

(xiv) A chalcolithic site

(xv) A chalcolithic site

(xvi) A chalcolithic site

(xvii) A prehistoric site

(xviii) An art centre

(xix) A chalcolithic site

(xx) A chalcolithic site

खंड—'क'

1. आपको दिए गए मानचित्र पर अंकित निम्नलिखित स्थानों की पहचान कीजिए और अपनी उत्तर पुस्तिका में उनमें से प्रत्येक पर लगभग **40** शब्दों में टिप्पणियां लिखिए। मानचित्र पर अंकित प्रत्येक स्थान के लिए स्थाननिर्धारण संकेत क्रमानुसार नीचे दिए गए हैं : 3×20=60

   (i) एक प्रागैतिहासिक स्थल

   (ii) एक ताम्रपाषाणयुगीन स्थल

   (iii) एक धार्मिक केंद्र

   (iv) एक प्रागैतिहासिक स्थल

   (v) एक कला केंद्र

   (vi) एक प्रागैतिहासिक स्थल

   (vii) एक कला केंद्र

   (viii) एक पत्तन

   (ix) एक राजधानी नगर

   (x) एक प्रागैतिहासिक स्थल

   (xi) एक उत्तर मौर्य नगर

   (xii) एक कला केंद्र

   (xiii) एक प्रागैतिहासिक स्थल

   (xiv) एक ताम्रपाषाणयुगीन स्थल

   (xv) एक ताम्रपाषाणयुगीन स्थल

   (xvi) एक ताम्रपाषाणयुगीन स्थल

   (xvii) एक प्रागैतिहासिक स्थल

   (xviii) एक कला केंद्र

   (xix) एक ताम्रपाषाणयुगीन स्थल

   (xx) एक ताम्रपाषाणयुगीन स्थल

2. (a) Evaluate the significance of seals and sealings in the reconstruction of socio-economic and religious life of the Harappan people. 30

(b) Justify Pliny's statement that Rome was being drained out of its gold by India during the first century of the Christian era. 30

3. (a) Discuss the extent, settlement pattern and subsistence economy of the megalithic cultures. 30

(b) Assess the educational system in early India and identify important educational institutions of the period. 30

4. (a) Examine the role of *adhyakṣa* in the Mauryan administration. 30

(b) Analyse the vibrant cultural activities in peninsular India during 550-750 CE. Compare and contrast it with the situation in contemporary North India. 30

SECTION—B

5. Write short notes in not more than **150** words on each of the following : 12×5=60

(a) Evaluate *Rajtarangini* as a source of history.

(b) Medieval Indian towns were merely an extension of villages. Comment.

(c) Assess the contribution of the *Acharyas* in the development of the ideological basis of *bhakti*.

2. (क) हड़प्पन लोगों के सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन की पुनर्रचना में मुद्राओं एवं मुद्रांकन के महत्व का मूल्यांकन कीजिए। 30

(ख) प्लीनी के इस कथन का औचित्य निर्धारित कीजिए कि, 'रोम के स्वर्ण का भारत द्वारा बहिर्गमन ईसा की प्रथम शताब्दी में किया जा रहा था।' 30

3. (क) महापाषाण संस्कृतियों के प्रसार, आवासीय प्रतिरूप एवं जीवन-यापन की विवेचना कीजिए। 30

(ख) प्रारम्भिक भारत में शिक्षण-व्यवस्था का मूल्यांकन कीजिए तथा, इस युग के महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थाओं को इंगित कीजिए। 30

4. (क) मौर्य प्रशासन में *अध्यक्ष* की भूमिका का परीक्षण कीजिए। 30

(ख) प्राय:द्वीपीय भारत में 550-750 ईसवी के मध्य सक्रिय सांस्कृतिक गतिविधियों की व्याख्या कीजिए। समकालीन उत्तर भारत से उसकी तुलना एवं भेद कीजिए। 30

खंड—'ख'

5. निम्नलिखित पर लगभग **150** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : 12×5=60

(क) एक ऐतिहासिक स्रोत के रूप में *राजतरंगिणी* का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) मध्यकालीन शहर गांवों का विस्तार मात्र थे। टिप्पणी कीजिए।

(ग) *भक्ति* के वैचारिक आधार के विकास में *आचार्यों* के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

(d) Discuss the *Caurapancashika* and Jain styles of paintings. Can the *Caurapancashika* style truly be called the precursor of *pothi* format ?

(e) Give social background to the rise of the Maratha movement during the seventeenth century.

6. (a) What kind of changes were visualised by historians on Indian feudalism ? Examine critically. 30

(b) Analyse the racial composition and the role of nobility under the successors of Iltutmish. How did it affect the contemporary politics ? 30

7. (a) Evaluate the role of *nadu* and *nagaram* in the growth of urbanisation under the Cholas. 30

(b) How did the Mongol invasions affect the Delhi Sultanate and the north-western frontier policy of the Delhi Sultans ? 30

8. (a) State the structure of medieval village society in Northern India. What were the passive forms of resistance of the peasants in the medieval period ? 30

(b) How was the Afghan nobility responsible for the decline of the Afghan empires ? Discuss. 30

(घ) चित्रकला की *चौरपंचशिका* एवं जैन शैलियों की विवेचना कीजिए। क्या *चौरपंचशिका* शैली को *पोथी* प्रारूप का पूर्ववर्ती माना जा सकता है ?

(ङ) सत्रहवीं शताब्दी में मराठा आन्दोलन के उदय की सामाजिक पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।

6. (क) भारतीय सामंतवाद पर इतिहासकारों द्वारा किन परिवर्तनों की परिकल्पना की गई है ? आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 30

(ख) इल्तुतमिश के उत्तराधिकारियों के अधीन कुलीन वर्ग की नस्लीय संरचना एवं उनकी भूमिका की व्याख्या कीजिए। उसने समकालीन राजनीति को किस प्रकार प्रभावित किया ? 30

7. (क) चोल शासकों के काल में शहरीकरण के विकास में, *नाडु* एवं *नगरम्* की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। 30

(ख) मंगोल आक्रमणों ने किस प्रकार से दिल्ली सल्तनत एवं दिल्ली सुल्तानों की उत्तर-पश्चिम सीमान्त नीति को प्रभावित किया ? 30

8. (क) उत्तर भारत के मध्यकालीन ग्राम्य समाज की संरचना का वर्णन कीजिए। मध्य काल में कृषकों द्वारा अपनाए गए प्रतिरोध के निष्क्रिय (passive resistance) तरीके क्या थे ? 30

(ख) किस प्रकार अफगान कुलीन वर्ग अफगान साम्राज्य के पतन के लिए उत्तरदायी था ? 30

Serial No. [ ]   **F–DTN–M–IJTA**

इतिहास

प्रश्न-पत्र—I

समय : तीन घण्टे   *पूर्णांक : 300*

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न ***हिन्दी*** *और* ***अंग्रेजी*** *दोनों में छपा है।*

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***5*** *अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम* ***एक*** *प्रश्न चुनकर किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अन्त में दिए गए हैं।

उत्तर संक्षिप्त और सटीक होने चाहिए।

एक रूपरेखा मानचित्र इस प्रश्न-पत्र के साथ प्रश्न संख्या ***1*** *के उत्तर के लिए संलग्न है। यह नक्शा सावधानीपूर्वक प्रश्न-पत्र से अलग कर लें और अभ्यर्थी इसे सावधानीपूर्वक उत्तर पुस्तिका से बाँध दें।*

यह आवश्यक है कि जब भी किसी प्रश्न का उत्तर दे रहे हों, तब उस प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर साथ-साथ दें। इसका अर्थ यह है कि अगले प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आगे बढ़ने से पूर्व पिछले प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर समाप्त हो जाएं। इस बात का कड़ाई से अनुसरण कीजिए।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े हुए पृष्ठों को स्याही से स्पष्ट रूप से काट दें। खाली छूटे हुए प्रश्नों के बाद लिखे हुए उत्तरों के अंक न दिए जाएं, ऐसा हो सकता है।

Note : *English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.*